बचपन बचाओ-

संजीव जैन----

Sanjeev jain

Principal judge Family court,

Delhi .

शैशव के पलने में तारे सजा कर,
दुनिया की आँखो में सपने सज़ाओं।
बच्चों का भोला सा बचपन बचा कर,
जन्नत सी सुन्दर यह दुनिया बनाओ।

जूठन जमाने की धोते यह बच्चे,
बचपन में बचपन ही खोते यह बच्चे।
लाखों घरों के चिराग़ बुझ रहे हैं।
सुबकते, सिसकते, रोते यह बच्चे।

इन नन्हें हाथों में चन्दा थमा कर,
बचपन के चेहरे की मुस्कान